SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR

21st APRIL 2020
TUESDAY

FOR B.A. – II (Hons)

PAPER – III, GEOGRAPHY OF INDIA & BIHAR

LECTURE – 19

UNIT – 1

CLIMATE REGIONS OF INDIA

भारत के जलवायु प्रदेश

भारत की जलवायु मानसून प्रकार की है तथापि मौसम के तत्वों के मेल से अनेक क्षेत्रीय विभिन्नताएँ प्रदर्शित होती हैं। यही विभिन्नताएँ जलवायु के उप-प्रकारों में देखी जा सकती हैं। इसी आधार पर जलवायु प्रदेश पहचाने जा सकते हैं। एक जलवायु प्रदेश में जलवायवी दशाओं की समरूपता होती है, जो जलवायु के कारकों के संयुक्त प्रभाव से उत्पन्न होती है। तापमान और वर्षा जलवायु के दो महत्वपूर्ण तत्व हैं, जिन्हें जलवायु वर्गीकरण की सभी पद्धतियों में निर्णायक माना जाता है। फिर भी जलवायु का वर्गीकरण एक जटिल प्रक्रिया है। जलवायु के वर्गीकरण की अनेक पद्धतियाँ हैं।

कोपेन ने भी भारत को जलवायु प्रदेशों में बाँटा है। कोपेन ने अपने जलवायु वर्गीकरण का आधार तापमान तथा वर्षण के मासिक मानों को रखा है, उन्होंने जलवायु के पाँच प्रकार माने हैं, जिनके नाम हैं —

(i) उष्ण कटिबंधीय जलवायु → यहाँ वर्ष भर औसत मासिक तापमान 18°C से अधिक रहता है।

(ii) शुष्क जलवायु → यहाँ तापमान की तुलना में वर्षण बहुत कम होता है और इसलिए शुष्क है। शुष्कता कम होने पर यह अर्ध-शुष्क मरुस्थल (S) कहलाता है। शुष्कता अधिक है तो यह मरुस्थल (W) होता है।

Scanned by CamScanner

(iii) गर्म जलवायु → जहाँ सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान 18°C और −3°C के बीच रहता है।

(iv) हिम जलवायु → यहाँ सबसे गर्म महीने का औसत तापमान 10°C से अधिक और सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान −3°C से कम रहता है।

(v) बर्फीली जलवायु → यहाँ सबसे गर्म महीने का तापमान 10°C से कम रहता है।

कोपेन ने जलवायु प्रकारों को व्यक्त करने के लिए वर्ण संकेतों का प्रयोग किया है, जैसा कि ऊपर बताया गया है। वर्षा तथा तापमान के वितरण प्रतिरूप में मौसमी भिन्नता के आधार पर प्रत्येक प्रकार को उप-प्रकारों में बाँटा गया है। कोपेन ने अंग्रेजी के बड़े वर्णों S को अर्ध-मरुस्थल के लिए और W को मरुस्थल के लिए प्रयोग किया है। इसी प्रकार उपविभागों को व्यक्त करने के लिए अंग्रेजी के निम्न छोटे वर्णों का प्रयोग किया है —

वर्षा के मौसमी वितरण के आधार पर जलवायविक उपसमूह :—

S = अर्द्ध शुष्क (स्टेपी)

W = शुष्क (मरुस्थलीय)

T = टुण्ड्रा तुल्य जलवायु

F = हिमाच्छादित जलवायु

f = आर्द्र जलवायु (सबसे शुष्क महीने में कम से कम 6 cm वर्षा)

m = मानसूनी जलवायु

w = शीत ऋतु में शुष्क ताप (Dry in Winter)

s = ग्रीष्म ऋतु में शुष्क ताप (Dry in summer)

तापमान के अन्य विशेषता के आधार पर जलवायविक उपसमूह :—

a = अत्यधिक गर्म ग्रीष्म ऋतु

b = साधारण गर्म ग्रीष्म ऋतु

Scanned by CamScanner

c = शीतल एवं छोटी ग्रीष्म ऋतु
d = शीत ऋतु अत्यधिक ठंडी
h = गर्म एवं शुष्क जलवायु
k = शुष्क एवं शीत जलवायु
n = वर्ष भर कोहरा
g = गंगा का मैदान

इसके अलावा,

① A → आर्द्र उष्ण कटिबंधीय जलवायु
A के साथ प्रयुक्त होने वाले — At, Am

② B → शुष्क जलवायु
साथ प्रयुक्त होने वाले, BS, BW, Bh, Bk

③ C → आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय जलवायु (भूमध्यसागरीय जलवायु)
साथ प्रयुक्त होने वाले — Ca, Cb, Cc

④ D → अल्प तापीय जलवायु
साथ प्रयुक्त होने वाले — Da, Db, Dc, Dd

⑤ E → ध्रुवीय जलवायु
ET, EF

⑥ H → पर्वतीय जलवायु

इस प्रकार भारत को आठ जलवायु प्रदेशों में बाँटा जा सकता है —

कोपेन की योजना के अनुसार भारत के जलवायु प्रदेश

जलवायु प्रकार	क्षेत्र
Amw — लघु शुष्क ऋतु वाला मानसून प्रकार	गोवा के दक्षिण में भारत का पश्चिमी तट
As — शुष्क ग्रीष्म ऋतु वाला मानसून प्रकार	तमिलनाडु का कोरोमंडल तट
Aw — उष्ण कटिबंधीय सवाना प्रकार	कर्क वृत्त के दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार का अधिकतर भाग

Scanned by CamScanner

जलवायु प्रकार	क्षेत्र
BShw – अर्ध शुष्क स्टेपी जलवायु	उ०-प० गुजरात, प० राजस्थान और पंजाब के कुछ भाग
BWhw – गर्म मरुस्थल	राजस्थान का सबसे प० भाग
Cwg – शुष्क शीत ऋतु वाला मानसून प्रकार	गंगा का मैदान, पू० राजस्थान, उ० मध्य प्रदेश, उ०-पू० भारत का अधिकतर प्रदेश
Dfc – लघु ग्रीष्म तथा ठंडी आर्द्र शीत ऋतु वाला जलवायु प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश
E – ध्रुवीय प्रकार	जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड

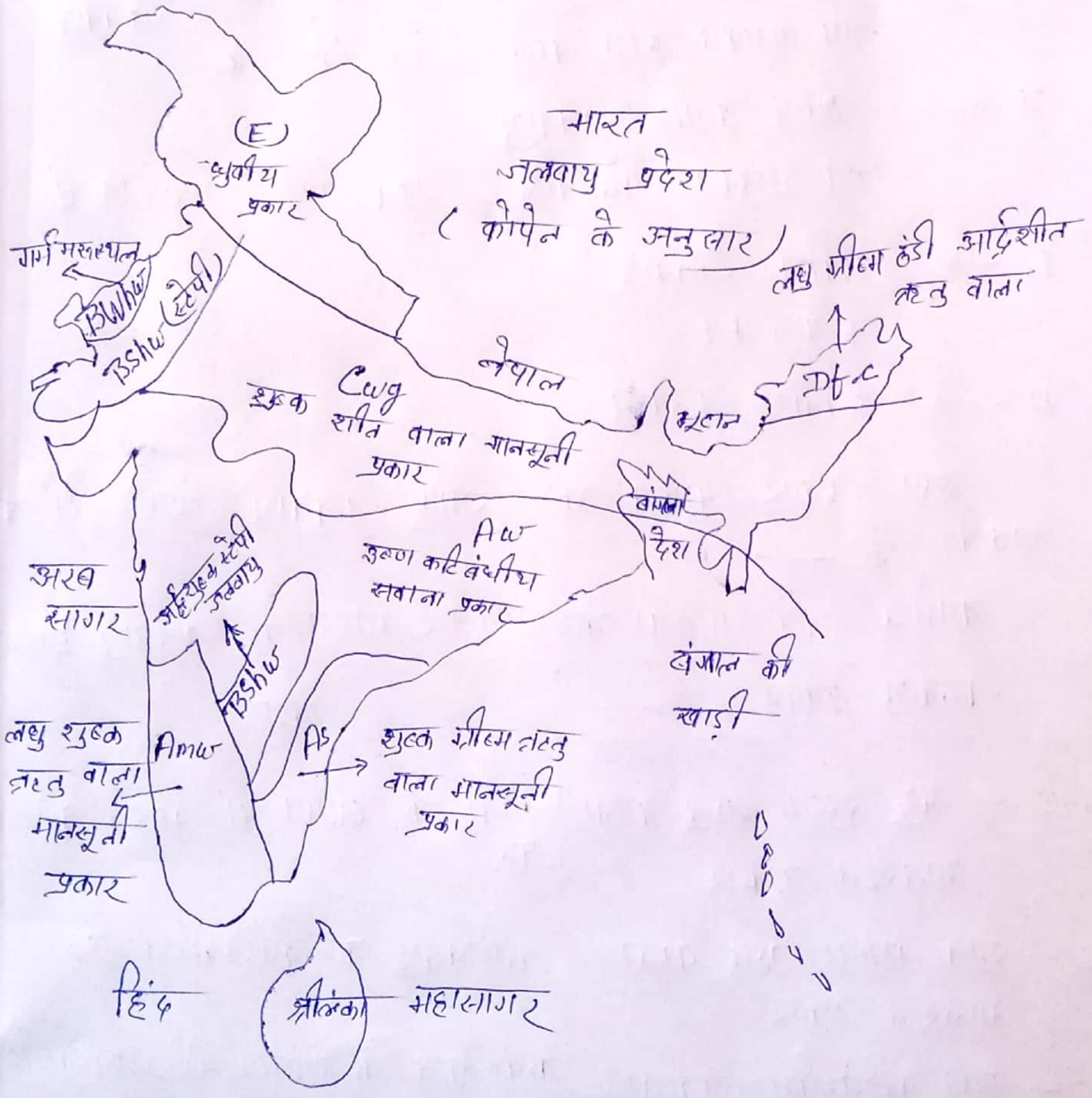

Scanned by CamScanner